VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1838)

Name of Candidate	Pooja Meena		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	154350
Center	online	Date	23-8-22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. The Chalukyan architecture uniquely epitomises the grandeur and hybrid characteristic style of temple building. Elaborate. **(150 words) 10**
चालुक्य स्थापत्य कला विशिष्ट रूप से मंदिर निर्माण की वैभवपूर्ण और संकर अभिलक्षणिक शैली का प्रतीक है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

मंदिर निर्माण की तीन प्रमुख शैलियाँ मानी जाती है। नागर शैली, द्राविड़ शैली और वेसर शैली।

वेसर शैली नागर व द्राविड़ शैली का मिश्रित रूप माना जाता है। चालुक्य द्वारा वेसर शैली को अपनाया गया।

चालुक्य स्थापत्य कला

- वास्तुकला में भव्य मंदिरों एवं भवनों का निर्माण करवाया गया।
- बादामी के चालुक्यों द्वारा अजंता शैली की गुफाओं का पुनर्निर्माण करवाया गया।
- मूर्तिकला व चित्रकला के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान। (बादामी की गुफाओं में बौद्ध की जातक कथाओं का चित्रण)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बादामी संघ के चालुक्य द्वारा निर्मित मंदिरों में लाड खान का मंदिर प्रसिद्ध है।

चालुक्यों के मंदिर निर्माण शैली की विशेषताएँ

- नागर शैली की भाँति चबूतरा तथा द्रविड़ शैली की भाँति विमान व गोपुरम।
- शिखरों की उपस्थिति।
- वर्गाकार व पिरामिड दोनों आकृतियों में मंदिर।

इसके प्रमुख उदाहरणों में होयसल वंश के होयसलेश्वर मंदिर चेन्नकेश्वर मंदिर भी, बेसर शैली के प्रमुख उदाहरण माने जाते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. The success or failure of a political movement is not always determined by the achievement of its stated goals. Discuss in light of the Ghadar movement.

(150 words) 10

किसी राजनीतिक आंदोलन की सफलता या विफलता सदैव उसके घोषित लक्ष्यों की प्राप्ति से निर्धारित नहीं होती है। गदर आंदोलन के आलोक में चर्चा कीजिए।

1914-15 में सैन-फ्रांसिस्को में लाला हरदयाल एवं सोहन सिंह भाकना द्वारा गदर पार्टी की स्थापना की गई।

गदर आंदोलन के लक्ष्य

- हिंसक साधनों का प्रयोग कर ब्रिटिश सत्ता का विरोध
- 'स्वशासन' की प्राप्ति
- भारत से बाहर रह रही जनता को 'स्वशासन' से संबंधित जागरूकता का प्रसार करना।

उपर्युक्त लक्ष्यों के बावजूद गदर आंदोलन सफल नहीं हो पाया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

किसी राजनीतिक आंदोलन की सफलता या विफलता सदैव उसके घोषित लक्ष्यों की प्राप्ति से निर्धारित नहीं होती है। आंदोलन की रणनीति एवं प्रयुक्त किए जाने वाले उपकरणों से जीत का निर्धारण होता है।

वादर आंदोलन की विफलता के कारण

- स्पष्ट रणनीति एवं मसौदे का अभाव
- रणनीति एवं उपकरणों को लेकर असमंजस
- लक्ष्य निर्धारण ही काफी नहीं, उसकी प्राप्ति हेतु कैसे व क्या किया जाना है का भी निर्धारण

उपर्युक्त विश्लेषण के उपरांत भी वादर आंदोलन ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Discuss the ways in which Gandhian conceptualisation of Sarvodaya influenced Vinoba Bhave's Bhoodan movement. (150 words) 10
उन तरीकों की विवेचना कीजिए जिनमे सर्वोदय की गांधीवादी अवधारणा ने विनोबा भावे के भूदान आंदोलन को प्रभावित किया था।

स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद भूमि के समान वितरण हेतु भूदान आंदोलन प्रारंभ किया गया। विनोबा भावे, जय-प्रकाश नारायण द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।

सर्वोदय की गांधीवादी अवधारणा एवं भूदान आंदोलन

- भूमि के वितरण करते समय गांधी के अपरिग्रह के सिद्धांत का पालन।
- ट्रस्टीशिप एवं न्यासिता सिद्धांत की सहायता से अमीर व धनी जमींदारों को भूमि के दान हेतु प्रेरित।
- अन्त्योदय से सर्वोदय की संकल्पना का प्रयोग कर भूमिहीनों को भूमि का वितरण।

Don't write anything this margin

उपर्युक्त प्रयासों के बावजूद भारत में भूमि सुधारों को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई।

विफलता के कारणों में शामिल है

- गांधी के सिद्धान्तों का पूर्णत: अनुपालन नहीं किया
- वैधानिक भय से भूमि का दान
- अनुपयुक्त एवं बंजर भूमि का वितरण

उपर्युक्त कारणों के बावजूद स्वतन्त्रता प्राप्ती के बाद 'भूदान' आंदोलन ने 'सर्वोदय' की प्राप्ति हेतु महत्वपूर्ण योगदान दिया।

4. Bring out the evidences, which led to the Plate Tectonics Theory. Also, discuss how this theory explains the movement of plates.

(150 words) 10

उन साक्ष्यों को उजागर कीजिए जिनसे प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत का प्रतिपादन हुआ। साथ ही, विवेचना कीजिए कि यह सिद्धांत किस प्रकार प्लेटों की गति की व्याख्या करता है।

मॉर्गन एवं अन्य भूगोल शास्त्रियों द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत, प्लेट टेक्टॉनिक/विवर्तनिकी सिद्धांत कहलाता है।

प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत के साक्ष्य

- वेगनर के "महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत" एवं होम्स के "संवहनीय धारा सिद्धांत" की सहायता से स्थापित।
- महाद्वीप 7 प्रमुख प्लेटों में विभाजित है। (यूरेशिया, उत्तरी अमेरिकी, दक्षिणी अमेरिकी इत्यादि)
- प्लेटें, दुर्बलतामंडल के ऊपर तैरती रहती है।
- यह स्थलमंडल का भाग है
- महाद्वीपीय एवं महासागरीय दो प्रकार

Don't write anything in this margin (this area is kept as blank)

[प्लेटों की गति की व्याख्या]

① अभिसरण द्वारा → जब दो महाद्वीपीय, महासागरीय या महाद्वीपीय -महासागरीय प्लेटो का अभिसरण होता है तो ~~नई~~ भू-पपर्टी का नाश होता है।

① अपसरण द्वारा → दो प्लेटो के अपसरण से नई - भूपपटी का निर्माण होता है। (मध्य अटलांटिक रिज)

① तीसरे में न तो नाश होता है न ही निर्माण / प्लेटे एक दूसरे के ऊपर संचारित होती है। (कैलिफोर्निया की प्लेट)

प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत ने महाद्वीपो के निर्माण को समझने मे सहायता प्रदान की।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Give an account of the formation of Abyssal Plains and highlight the relief features found on these plains. (150 words) 10
वितलीय मैदानों के निर्माण का विवरण दीजिए और इन मैदानों पर पाए जाने वाले उच्चावच संबंधी लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

महासागरीय संरचना के प्रमुख भागों में महाद्वीपीय स्लोप, वितलीय मैदान को शामिल किया जाता है।

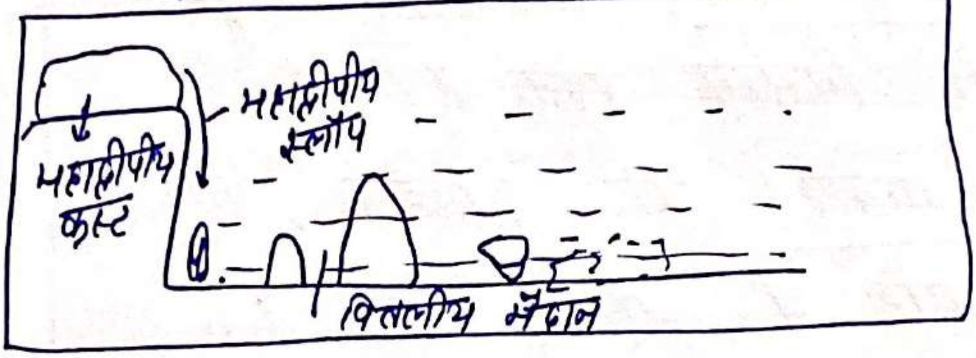

वितलीय मैदानों का निर्माण

- महाद्वीपीय एवं महासागरीय प्लेट के अभिसरण से निर्मित
- महाद्वीपीय क्रस्ट के निरन्तर कटाव से
- महाद्वीपीय ढाल के सहारे लाए गए अपशिष्टो के निक्षेपण से
- महासागरीय अपशिष्टों के एकीकरण व निक्षेपण से
- महाद्वीपीय प्लेटों के अपसरण का परिणाम

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मैदानों पर पाए जाने वाले उच्चावच संबंधी लक्षण

- मध्य महासागरीय ट्रेंच की उपस्थिति जैसे <u>मध्य अटलांटिक रिज</u>।
- <u>समुद्री टीले</u> जो सदैव समुद्र में निमग्न रहते हैं।
- <u>'गायोट'</u> की उपस्थिति, जो चपटे व समतल होते हैं।

वितलीय मैदानों की स्थिति महाद्वीपीय अवस्थिति के अनुसार <u>परिवर्तनशील</u> होती है। <u>हैनरी हैस</u> के अनुसार यह सबसे नवीन भूपर्पटी का भाग होते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What are the geographical and climatic conditions required for tea cultivation? In this context, discuss the reasons for the introduction of tea cultivation in the Duars region of the Himalayas by the British.

(150 words) 10

चाय की खेती के लिए आवश्यक भौगोलिक और जलवायविक दशाएं क्या हैं? इस संदर्भ में, अंग्रेजों द्वारा हिमालय के दुआर क्षेत्र में चाय की खेती शुरू करने के कारणों की विवेचना कीजिए।

चाय की खेती, कच्चे माल एवं कृषि आधारित उद्योगों में से एक मानी जाती है। भारत विश्व के शीर्ष चाय उत्पादकों में से एक माना जाता है।

चाय की खेती की दशाएँ

- उपोष्णकटिबंधीय जलवायु
- जलोढ़ एवं उपजाऊ मिट्टी
- 200< सेमी से ज्यादा वर्षा
- ढलान भूमि, जहां पानी संग्रहित न हो
- पूरे वर्ष हल्की-हल्की बारिश

भारत में असम, दार्जिलिंग, पूर्वोत्तर राज्यों में चाय की खेती बहुतायत में की जाती है।

हिमालय के पूर्वी क्षेत्र में चाय की खेती करने के कारण

- हिमालय क्षेत्र एवं तराई क्षेत्र यथा असम, दार्जिलिंग में उपयुक्त जलवायवीय दशाएँ।
- श्रम की आसानी से उपलब्धता (असम, उ.प्रदेश व बिहार में मजदूर)
- पोर्ट व परिवहन के साधनों की निकटता (कोलकाता बंदरगाह)
- अ विदेशी व्यापार हेतु सुगम

चाय की खेती के कारण ब्रिटिशों द्वारा असम व पूर्वोत्तर की जनजातियों को परम्परागत खेती से वंचित किया फलस्वरूप भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में जनजातीय विद्रोह देखने को मिला।

7. Briefly bring out the distinction between flash droughts and conventional droughts. Also, examine the reasons behind the increasing vulnerability of India to flash droughts. (150 words) 10

आकस्मिक सूखा और पारंपरिक सूखा के मध्य अंतर को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। साथ ही, आकस्मिक सूखे के प्रति भारत की बढ़ती सुभेद्यता के कारणों का परीक्षण कीजिए।

सूखे की स्थिति में प्राकृतिक जलाशयों का पानी समाप्त हो जाना, वर्षा की कमी, भूमिगत जल का निम्न स्तर इत्यादि देखने को मिलता है।

सूखा
- आकस्मिक सूखा
- परंपरागत सूखा

अंतर

आकस्मिक सूखा

- वर्षा का नहीं होना
- भू-जल स्तर का सूख जाना समाप्त होना
- जल संचयन पद्धति का अभाव
- जल संसाधनों की कमी

परम्परागत सूखा

- कृषिगत कारणों से उत्पन्न
- पशुपालन हेतु चारे की कमी
- जलाशयों का सूख जाना
- मौसम पर आधारित

(भारत की बढ़ती सुभेद्यता के कारण)

① जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम प्रतिरूप में परिवर्तन। भारत के 61% किसान बारानी खेती पर निर्भर

① नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2020 तक भारत के 21 शहरों का भू-जल समाप्त हो जाएगा।

① वृहद जनसंख्या एवं जल संसाधन की कमी। प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता वर्तमान में 1500 के आसपास है जो 2025 तक 1000 से कम होने की संभावना

① अत्यधिक मानव विकास परियोजनाएँ

भारत द्वारा उपाय
- → अटल भूजल योजना
- → जल शक्ति मिशन
- → स्वच्छ भारत (ग्रामीण) मिशन
- → जल जीवन मिशन

भारत 4% जल संसाधनों से 16% जनसंख्या (विश्व) का पालन पोषण करता है। अतः संधारणीय विकास की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Though various initiatives have been taken to ensure social security for informal workers in India, there still exist gaps which need to be plugged. Discuss. (150 words) 10

हालांकि भारत में अनौपचारिक श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न पहलें शुरू की गई हैं, फिर भी कुछ कमियां मौजूद हैं जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

अनौपचारिक श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा हेतु 'प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन' योजना की शुरुआत की गई।

योजना में विद्यमान कमियाँ

- संभावित डेटा एवं आंकड़ों की कमी
  भारत के अनौपचारिक श्रमिकों का व्यवस्थित डेटा व आंकड़ों की कमी के कारण, अपूर्ण योजना।
- अनौपचारिक श्रमिकों से संबंधित लाभ योजनाओं का अपूर्ण कार्यान्वयन
- लाभार्थी की लक्षित व पहचान की समस्या
- वित्तीयन व निधि के आवंटन की

लेकर समस्या।

दूर करने की आवश्यकता हेतु

↓

⊙ अनौपचारिक श्रमिकों से संबंधित आँकड़ों व डेटा का संग्रहण कर व्यवस्थित करना।

⊙ योजना बद्ध रोडमैप व ढाँचे का निर्माण

⊙ योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु निगरानी तंत्र का गठन

भारत में लगभग 90% श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्रक से संबंधित हैं। इन श्रमिकों के विकास से आर्थिक मांग बढ़ेगी तदनुरूप 2047 तक भारत के विकसित देश बनने में महत्वपूर्ण भूमिका का निष्पादन।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Critically assess the government's move on raising the age of marriage of women in India from 18 to 21 years. (150 words) 10

भारत में महिलाओं के विवाह की आयु 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष करने के सरकार के कदम का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

हाल ही महिलाओं के विवाह की आयु 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष करने का विधेयक पारित किया गया। अनुमान लगाया जा रहा है, इससे बाल विवाह में कमी होगी।

पक्ष में तर्क

- बाल विवाह में कमी देखने को मिलेगी। विश्व की सबसे ज्यादा बाल वधू भारत में।
- महिलाओं के शैक्षणिक एवं करियर के अवसर में वृद्धि होगी। (18 की आयु होने से 12वीं ही पढ़ पाती थी, अब ग्रेजुएशन का अनुपात बढ़ेगा)
- महिला सशक्तिकरण में सहायक/ प्रजनन दर में सुधार (कम उम्र में विवाह से मातृ मृत्यु दर में वृद्धि)

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

• जनसंख्या नियंत्रित करने का उपाय

विपक्ष में तर्क

① बाल विवाह के सामाजिक कारणों को रोकने की आवश्यकता। यह एकमात्र कारण नहीं।

① प्रजनन दर पहले ही प्रतिस्थापन दर (2.1) से 2 पर आ गई है। (नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5)

① महिलाओं की विवाह की औसत आयु वर्तमान में 25-26 वर्ष, इससे 30 वर्ष होने की संभावना। प्रजनन में मुश्किल।

① महिलाओं की यौन-स्वायत्तता को लेकर समस्या

महिलाओं की विवाह की आयु 21 वर्ष करना सराहनीय कदम है, किन्तु सशक्तिकरण हेतु समावेशी उपायों की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Reservation for locals in private sector has again brought the debate around regionalism into focus. In this context, examine whether regionalism is a threat to national integration. (150 words) 10

निजी क्षेत्रक में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण के मुद्दे ने क्षेत्रवाद के इर्द-गिर्द होने वाली बहस को पुन: केंद्र में ला दिया है। इस संदर्भ में, परीक्षण कीजिए कि क्या क्षेत्रवाद राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा है।

क्षेत्र-विशेष को एवं उसके सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक हितों को अधिक महत्व देना, क्षेत्रवाद कहलाता है।

निजी क्षेत्रक में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण से होने वाले प्रभाव →

सकारात्मक

- प्रवासन की गतिविधियों में कमी होगी
- क्षेत्र का विकास होगा।
- रोजगार के अवसर उत्पन्न
- कृषि का महिलाकरण रोका जा सकेगा।
- राज्य के मध्य संघर्षों में कमी (महाराष्ट्र में उ.प्रदेश व बिहार को लेकर)

नकारात्मक

- अंतर-राज्यीय क्षेत्रवाद के विपरीत
- क्षेत्रवाद की 'भूमि पुत्र' की संकल्पना को अत्यधिक बल
- राष्ट्रीय एकता व विविधता के विपरीत
- कौशल विविधता से वंचित

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्षेत्रवाद राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा है?

हाँ

- यदि भूमि पुत्र की अवधारणा असीमित हो जाए
- उप-राष्ट्रवाद की अवधारणा (खालिस्तान की मांग)
- नृजातीयता को राष्ट्रीय हित से अधिक प्राथमिकता (ग्रेटर नागालिम की मांग)
- अन्तर्राज्यीय विवाद (असम-मिजोरम, महाराष्ट्र कर्नाटक)

नहीं

- यदि क्षेत्रीय हितों को राष्ट्रीय हितों के साथ समान्वित कर के प्राप्त किया जाए
- सहकारी व प्रतिस्पर्धी संघवाद की स्थापना
- नीति आयोग द्वारा प्रतिपादित सूचकांकों में प्रतिस्पर्धा

क्षेत्रवाद एक रचनात्मक कार्य की अवधारणा है ~~जिसमें~~ जो "थिंक ग्लोबली, एक्ट लोकली" की अवधारणा पर निर्भर है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Explain how agricultural surplus, growth of crafts and trade, and growing population led to the second urbanisation in ancient India.

(250 words) 15

व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार कृषि अधिशेष, शिल्प और व्यापार की वृद्धि तथा बढ़ती जनसंख्या के कारण प्राचीन भारत में द्वितीय नगरीकरण हुआ है।

वैदिकोत्तर काल के बाद का नगरीकरण 'द्वितीय नगरीकरण' कहलाता है। हड़प्पा काल के 'प्रथम नगरीकरण' से यह नगरीकरण अत्यन्त उन्नत अवस्था में विकसित हुआ।

द्वितीय नगरीकरण की प्रमुख विशेषताएँ

- कृषि की नई पद्धतियों; धान रोपण की नई विधियों का प्रयोग
- कृषि करने हेतु लकडी के उपकरणों के स्थान पर लोहे के हल व फाल का प्रयोग।
- नई-नई वाणिज्यिक श्रेणियों 'निगम' का विकास
- नए धर्मों जैन व बौद्ध धर्म का विकास
- सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में परिवर्तन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

द्वितीय नगरीकरण के कारण

• कृषि अधिशेष : प्रथम नगरीकरण के बाद कृषिगत पद्धतियों में विविधता के फलस्वरूप कृषिगत अधिशेष जैसी स्थितियाँ पैदा हुई, अर्थव्यवस्था का विकास हुआ।

• शिल्प और व्यापार की वृद्धि : इसकी काले चमकदार मृद्भांड, मुद्राएँ, आहत सिक्के इत्यादि के कारण शिल्प एवं व्यापार में वृद्धि हुई।

• प्रथम नगरीकरण की तुलना में गंगा-मैदानों में अत्यधिक जनसंख्या का निवास होने के कारण द्वितीय नगरीकरण हुआ।

द्वितीय नगरीकरण, प्रथम नगरीकरण का विकसित एवं परिष्कृत रूप माना जाता है। प्रथम व द्वितीय नगरीकरण में कुछ प्रमुख भिन्नताएँ भी देखने को मिलती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रथम नगरीकरण	द्वितीय नगरीकरण
• हड़प्पा कालीन	• मौर्यकालीन
• कृषि का प्रारंभ	• कृषि का विकसित स्वरूप
• 'तांबे' धातु का प्रयोग	• 'लोहे' का प्रयोग
• सिंधु-सरस्वती सैंधव तक सीमित	• गंगा के मैदानों तक विस्तृत

द्वितीय नगरीकरण के दौरान 'महाजनपदों' का विकास हुआ। प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता के कारण कोसल, अवन्ति एवं मगध के मध्य संघर्ष देखने को मिले।

द्वितीय नगरीकरण के परिणामस्वरूप महाजनपद एवं मौर्यकाल का विकास हुआ। अगला नगरीकरण 'तीसरा' मुगलों के काल में विकसित हुआ।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. India of the 18th century failed to make progress economically, culturally and socially at a pace, which would have saved the country from collapse. Comment. (250 words) 15

18वीं शताब्दी का भारत आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से उस गति से प्रगति करने में विफल रहा, जो देश को पतन से बचा सकता था। टिप्पणी कीजिए।

18 वीं शताब्दी का भारत मुगल काल का पतन, अंग्रेजी शक्तियों का विस्तार बाह्य युद्धो इत्यादि से जूझ रहा था।

18 वीं शताब्दी में देश के पतन के कारण

① आर्थिक कारण

- 1707 में औरंगजेब की मृत्यु
- 1757 का प्लासी का युद्ध एवं 1764 का बक्सर का युद्ध ने भारत की आर्थिक स्थिति कमजोर की
- 1765 में अंग्रेजों द्वारा दीवानी अधिकार प्राप्त करना
- ईरानी व अफगानी आक्रमणों द्वारा भारत को लूट कर

ले आया।

⊙ सांस्कृतिक कारणों

• मुगल काल का विघटन, भारतीय संस्कृति का पतन, भारतीय एकता का ह्रास। अंग्रेजों द्वारा ईसाई मिशनरियों की सहायता से भारतीय जनता का धर्मांतरण। इत्यादि देखने को मिला

⊙ सामाजिक कारण

→ जातिगत आधार पर भेदभाव की स्थिति

→ महिलाओं के साथ भेदभाव जैसे → कन्या वध, बाल विवाह, सती प्रथा, शिक्षा से वंचित रखना

→ औरंगजेब द्वारा हिन्दुओं के साथ गैर-बराबरी का व्यवहार

→ सामाजिक विषमताओं का होना

उपर्युक्त कारणों के अतिरिक्त अन्य प्रमुख कारण जैसे : आंग्ल-मराठा, आंग्ल-मैसूर, पानीपत का युद्ध इत्यादि ने भी भारत की एकता को नष्ट किया।

मुगल सत्ता के ह्रास के कारण छोटे, नए एवं उत्तराधिकारी राज्यों का उदय यथा अवध, मैसूर एवं हैदराबाद इत्यादि से ब्रिटिश उपनिवेशों को भारत को कब्जा करने में आसानी हुई।

इस प्रकार 18 वीं शताब्दी की विफलताओं ने आगामी वर्षों की शासन सत्ता का निर्धारण किया।

13. The withdrawal of the Civil Disobedience Movement triggered a two-stage debate on the strategic course of India's freedom struggle. Elucidate. (250 words) 15

सविनय अवज्ञा आंदोलन की वापसी ने भारत के स्वतंत्रता संघर्ष की रणनीतिक कार्यप्रणाली के संबंध में दो-चरणों वाली बहस को आरंभ कर दिया। स्पष्ट कीजिए।

1930 से प्रारंभ हुए सविनय अवज्ञा आंदोलन को अत्यधिक लंबा एवं उबाऊ होने के कारण वापस ले लिया गया।

सविनय अवज्ञा आंदोलन की वापसी के बाद पुनः भारत के स्वतंत्रता संघर्ष की रणनीतिक कार्यप्रणाली के संबंध में दो चरणों वाली बहस प्रारंभ हुई।

I → प्रथम बहस के समर्थक रचनात्मक कार्यक्रमों यथा स्वदेशी, सत्याग्रह इत्यादि के माध्यम से संघर्ष को जारी रखना चाहते थे।

II → दूसरे पक्ष के समर्थक विधान-परिषदों में भाग लेने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की रचना की।

दोनों के अतिरिक्त सुभाष चन्द्र बोस जैसे क्रांतिकारियों द्वारा सविनय अवज्ञा की जारी रखने का समर्थन किया गया।

दो प्रकार की विधियाँ दिखाई दी

① संघर्ष - समझौता - संघर्ष
गांधी एवं उनके समर्थकों द्वारा संघर्ष - विराम - संघर्ष की रणनीति को अपनाने की बात की गई।

② निरन्तर संघर्ष की रणनीति
जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चन्द्र बोस इत्यादि क्रांतिकारियों द्वारा निरंतर संघर्ष की रणनीति देखने को मिली।

उपर्युक्त विवादों को देखते एवं नई युवा पीढ़ी को मौका देते हुए गांधीजी ने राजनीति से सन्यास की घोषणा की और सामाजिक सुधारों की ओर रुख मोड़ लिया।

सविनय अवज्ञा आंदोलन के बाद हुए विभिन्न कार्यक्रमों यथा व्यक्तिगत सत्याग्रह, भारत छोड़ो आंदोलन की रणनीति एवं विधियों में बदलाव देखने को मिला।

भारत छोड़ो आंदोलन की बदली हुई रणनीति ने 1947 में जाकर स्वतंत्रता प्राप्ति के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता प्रदान की।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Throw light on the causes, course and outcomes of the Civil War, which followed the Russian Revolution. Also, bring out the reasons behind the Bolshevik victory. (250 words) 15

रूसी क्रांति के बाद हुए गृहयुद्ध के कारणों, गतिविधियों और परिणामों पर प्रकाश डालिए। साथ ही, बोल्शेविक विजय के कारणों को भी स्पष्ट कीजिए।

1917 में रूस में फरवरी क्रांति एवं अक्टूबर क्रांति हुई। इन्हें ही सम्मिलित रूप में रूसी क्रांति कहा जाता है।

फरवरी क्रांति से जारशाही सत्ता का अंत हुआ, अक्टूबर क्रांति से बोल्शेविक शक्तियों की विजय हुई।

गृहयुद्ध के कारण व परिणाम

① रूसी एवं गैर-रूसी के साथ भेदभाव के कारण, समाज में अव्यवस्था व गृहयुद्ध की स्थिति उत्पन्न हुई।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- प्रेस की स्वतन्त्रता, वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता नामक नागरिक स्वतन्त्रताओं से वंचित रखा गया।
- भूमि सुधार नहीं किए गए एवं भूमि अधिकारों से वंचित रखा गया।

उपर्युक्त परिस्थितियों के परिणामस्वरूप जनता में रोष एवं विद्रोह की स्थिति उत्पन्न हुई और ज़ार का शासन समाप्त हो गया। प्रस्तुत प्रकरण फरवरी क्रांति के नाम से जाना जाता है।

फरवरी क्रांति के बाद अक्टूबर क्रांति हुई जिसमें बोल्शेविकों की विजय हुई और विश्व का प्रथम समाजवादी राज्य स्थापित हुआ।

बोल्शेविक विजय के कारण

- रूसी एवं गैर-रूसी के भेद को समाप्त किया।
- बिना किसी भेदभाव के नागरिकों को नागरिक स्वतन्त्रताएँ प्रदान की।
- प्रेस एवं अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता प्रदान की।
- भूमि एवं आर्थिक सुधारों का निष्पादन

उपर्युक्त कारणों के चलते सोवियत संघ का गठन हुआ तथा वह विश्व का प्रथम साम्यवादी देश बन कर उभरा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. What are Glacial Lake Outburst Floods (GLOFs)? Highlighting the susceptibility of the Himalayan region to GLOFs, state the measures required to address them. **(250 words) 15**

ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड्स (GLOFs) क्या हैं? GLOFs के प्रति हिमालयी क्षेत्र की सुभेद्यता पर प्रकाश डालते हुए, इनके समाधान के लिए आवश्यक उपायों का उल्लेख कीजिए।

ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड्स के अन्तर्गत ग्लेशियरों के पिघलने से झील के जल का प्रवाह अचानक से बढ़ने पर आने वाली बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है।

हिमालयी क्षेत्र की सुभेद्यता

- भौगोलिक अवस्थिति
  हिमालय में अनेक बड़े-बड़े ग्लेशियरों का निवास है, जहां अनेक नदियों का उद्गम स्थान है। (गंगा, ब्रह्मपुत्र आदि)

- वैश्विक तापन एवं जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों का तीव्रता से पिघलना एवं आकार का कम होना

- मानवीय कारणों यथा वनोन्मूलन मानव विकास परियोजनाएँ, बांधों का निर्माण इत्यादि के चलते हिमालय की प्राकृतिक स्थिति का क्षय हो रहा है।
- इसके कारण प्राकृतिक आपदाओं बाढ़, भूस्खलन इत्यादि का खतरा बढ़ जाता है।

समाधान हेतु उपाय

- शोध एवं अनुसंधान की सहायता से सघन व टिकाऊ कार्यक्रम तैयार करना।
- मानचित्रण एवं निगरानी तंत्र का विकास करना आवश्यक
- हिमालयी क्षेत्रों में की जाने वाली विकास परियोजनाओं के मानकों एवं मापदण्डों में बदलाव

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

की आवश्यकता।

① हिमालयी पारितंत्र को लेकर एक रोडमैप का निर्माण।

① आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम के तहत संरचनात्मक एवं गैर-संरचनात्मक उपायों की आवश्यकता

हिमालयी पारितंत्र पर भारत एवं एशिया की जनसंख्या जैव विविधता पूरी तरह निर्भर करती है। अतः हिमालयी पारितंत्र से जुड़ी जलवायवीय समस्या के समाधान हेतु वैश्विक स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता है।

सतत विकास लक्ष्य-15 (भूमि पर जीवन) की प्राप्ति में सहायक होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Highlighting the significance of critical minerals, provide an account of their distribution in India and the world. (250 words) 15

महत्वपूर्ण खनिजों के महत्व को रेखांकित करते हुए, भारत और विश्व में उनके वितरण का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

खनिज, किसी देश की अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। इससे सामाजिक-आर्थिक विकास संभव होता है।

महत्वपूर्ण खनिज →
- कोयला
- लौह-अयस्क
- मैंगनीज
- यूरेनियम
- तांबा
- अन्य

महत्वपूर्ण खनिजों का महत्व

① आधारभूत उद्योगों यथा स्टील व लौह उद्योगों की स्थापना में सहायक। जैसे - कोयला, मैंगनीज एवं लौह-अयस्क

② विद्युत उत्पादन में सहायक
↓ ताप-संयंत्रों में कोयले की सहायता से बिजली उत्पन्न

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

◉ परमाणु ऊर्जा का उत्पादन
↳ यूरेनियम की सहायता से

◉ इलेक्ट्रॉनिक एवं औद्योगिक उपकरणों के निर्माण में सहायक → तांबा एवं मैंगनीज का प्रयोग।

◉ रोजगार के अवसर पैदा करते हैं।

◉ अर्थव्यवस्था के विकास में सहायक

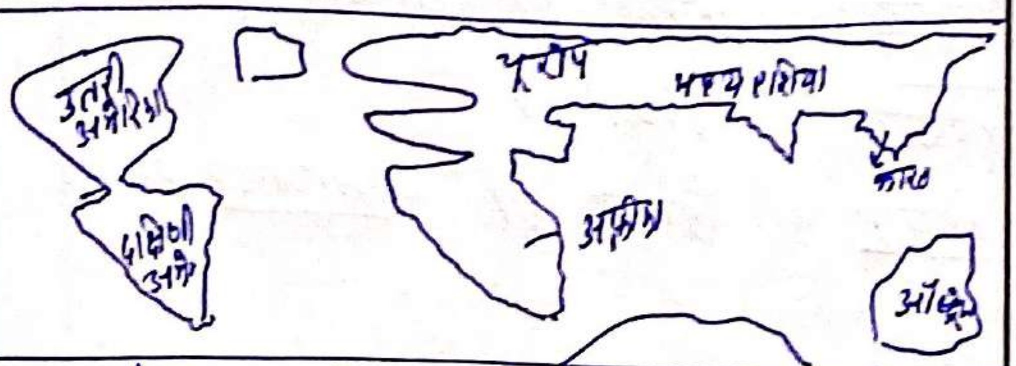

(विश्व में खनिजों का वितरण)

कोयला	चीन, ऑस्ट्रेलिया
लौह-अयस्क	आस्ट्रेलिया
यूरेनियम	कज़ाकिस्तान, आस्ट्रेलिया
तांबा	चीन, भारत

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत में खनिजों का वितरण

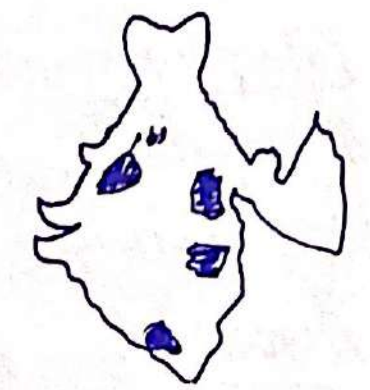

कोयला → झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ की झारिया, मयूरभंज बैलाडिला में मिलता है।

तांबा → राजस्थान के झुंझुनू व खेतड़ी में सर्वाधिक

यूरेनियम → ~~केरल की मोनाजाइट~~ राजस्थान झारखंड के क्षेत्रों में

थोरियम → केरल की मोनाजाइट रेत में

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के विकास में उस देश के खनिज महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं। पॉलीमेटालिक नोड्यूल्स हेतु 'डीप ओशन मिशन' की शुरुआत की गई है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Highlighting the importance of ice sheets, discuss the likely impact of their melting on the planet with special focus on India. (250 words) 15

हिम चादरों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, भारत के विशेष संदर्भ में पृथ्वी पर उनके पिघलने के प्रभाव की विवेचना कीजिए।

हिम चादरों से आशय हिम व हिम ग्लेशियरों से घिरे हुए क्षेत्र से है। हिमालय का क्षेत्र, हिम चादर का क्षेत्र है।

हिम-चादरों का महत्व

- प्राकृतिक महत्व → पृथ्वी का तापमान संतुलित एवं नियंत्रित रखता है (एल्बिडो की सहायता से)
- जैव-विविधता एवं पारिस्थितिकी दृष्टि से हिम चादर महत्वपूर्ण। हिम तेंदुआ, पोलर भालू के पर्यावासों एवं खाद्य जरूरतों की रक्षा
- शोध एवं अनुसंधान की दृष्टि से सहायक। अंटार्कटिका में 'मैत्री' व 'हिमाद्री' प्रोजेक्ट। आर्कटिक में

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ भी न लिखें)

इंड-आर्क।

- पृथ्वी की संरचना को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन
- सामाजिक - आर्थिक विकास हेतु महत्वपूर्ण।

वैश्विक तापन एवं जलवायु परिवर्तन के चलते हिम चादरों का निरंतर पिघलने का घटनाक्रम देखा जा रहा है।

पिघलने के प्रभाव

① पर्यावरण पर प्रभाव
→ जलवायु परिवर्तन को और बढ़ा देगा
→ एल्बिडो की कमी के कारण वैश्विक तापन में वृद्धि

① पारिस्थितिकी एवं जैव-विविधता
- हिमालयी पारितंत्र पर निर्भर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रजातियों एवं पारिस्थितिकी का नाश)

(i) मानवीय जीवन पर नकारात्मक प्रभाव

→ बाढ़, भू-स्खलन जैसी स्थितियों में वृद्धि
→ खाद्य आपूर्ति में बाधा
→ रोजगार के अवसरों में कमी
→ जल आपूर्ति की समस्याएँ उत्पन्न होगी

(ii) प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को लेकर असंतुलन
(भारत अपनी 16+ जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति 2% भूमि एवं 4% जल संसाधनों से करता है।)

प्रभावों को कम करने हेतु हिमालयी पारितंत्र की रक्षा हेतु राष्ट्रीय मिशन, सिक्योर हिमालय, पेरिस जलवायु समझौता इत्यादि को लागू किया गया है। इसकी सहायता से सतत विकास लक्ष्यों को भी प्राप्त किया जा सकेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. What are twin cyclones? Discuss the role of Rossby waves and Madden-Julian Oscillation (MJO) in their formation. (250 words) 15

जुड़वाँ चक्रवात (ट्विन साइक्लोन) क्या होते हैं? उनके निर्माण में रॉस्बी तरंगों और मैडेन-जूलियन दोलन (MJO) की भूमिका की विवेचना कीजिए।

जुड़वाँ चक्रवात, चक्रवात की आवृत्ति की बढ़ाने हेतु उत्पन्न हुए दूसरे चक्रवात की घटना है।

सामान्यतः चक्रवात की स्थिति में बीच में निम्न वायु दाब की स्थिति होती है जिसे भरने हेतु उच्च वायु दाब पवनें उसकी ओर आकर्षित होती है।

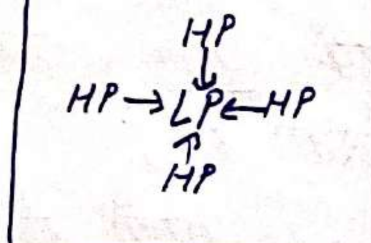

जुड़वा चक्रवात की स्थिति में एक चक्रवात के तट पर पहुँचने के तुरंत बाद दूसरे चक्रवात की उत्पत्ति होना है।

रॉस्बी तरंगों और मैडेन जूलियन दोलन द्वारा इसे और सशक्त

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बनाया जाता है।

रॉस्बी तरंगों एवं मैडेन जूलियन दोलन की भूमिका

- निम्न वायु दाब की स्थिति के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका
- संघनन की गुप्त ऊष्मा को अत्याधिक ऊष्मा प्रदान करती है।
- वायुमंडलीय परिसंचरण को भिन्न प्रभाव रखती है।
- चक्रवात के निर्माण हेतु अनुकूल स्थितियों का निर्माण

रॉस्बी तरंगों एवं मैडेन जूलियन दोलन के कारण हिंद महासागर के जल का तापमान सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। इससे समुद्री जल का तापमान बढ़ जाता

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

है, संघनन की गुप्त ऊष्मा के चलते निम्न वायु दाब की स्थिति का निर्माण होता है।

सघन व चरम स्थितियों के चलते चक्रवातीय स्थिति प्रबल हो जाती है, फलस्वरूप ये 'जुड़वा चक्रवात' उत्पन्न होते है।

19. Since independence, planning strategies for women's upliftment has evolved from welfare to development to empowerment. Elucidate. Also, discuss the role played by voluntary organizations in this context.

(250 words) 15

स्वतंत्रता के पश्चात, महिलाओं के उत्थान के लिए नियोजन रणनीतियां कल्याण से लेकर विकास और सशक्तीकरण तक विकसित हुईं हैं। स्पष्ट कीजिए। साथ ही, इस संदर्भ में स्वयंसेवी संगठनों द्वारा निभाई गई भूमिका की भी विवेचना कीजिए।

स्वतन्त्रता के बाद महिलाओं के उत्थान के लिए नियोजन रणनीतियों को यथा प्रथम पंचवर्षीय योजना से 12 वी पंचवर्षीय योजना तक परिवर्तित रूप से देखा गया।

कल्याण से विकास, विकास से सशक्तिकरण

(i) प्रथम पंचवर्षीय योजना से पांचवी योजना का समय

→ इस दौरान महिलाओं को लाभार्थी की दृष्टि से देखा गया। महिलाओं के कल्याण हेतु कार्यक्रम यथा। एकीकृत बाल विकास कार्यक्रम इत्यादि देखे गए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

⑥ छठी से 9 वीं पंचवर्षीय योजना

इस दौरान महिलाओं की भूमिका लाभार्थी मात्र नहीं रह गई। महिलाओं के कल्याण के साथ-साथ महिलाओं के विकास की भी बात की।

→ सूक्ष्म वित्त संस्थानों का गठन
→ स्वयं सहायता समूह - बैंकिंग लिंकेज कार्यक्रम
→ महिलाओं हेतु रोजगार कार्यक्रम

⑦ 10 वीं पंचवर्षीय योजना से 12वीं पंचवर्षीय योजना

महिलाओं को 'हितधारक' के रूप में शामिल कर, सशक्तिकरण पर बल।
मनरेगा कार्यक्रम, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम, सार्वजनिक खाद्य वितरण प्रणाली इत्यादि के माध्यम से महिलाओं को 'हितधारक' के रूप में शामिल किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्वयंसेवी संगठनों द्वारा निभाई गई भूमिका

① स्वयंसेवी सेवा संघ (सेवा), बिहार की 'आजीविका', केरल की 'कुटुंब श्री' इत्यादि द्वारा महिलाओं को सशक्त किया।

② वित्तीय सशक्तिकरण में सहायक; स्वयं सहायता समूहों एवं सूक्ष्म वित्त संस्थाओं द्वारा। लगभग 41 मिलियन महिलाओं को रोजगार दिया जा रहा है।

③ डिजिटल सशक्तिकरण; वित्तीय समावेशन बैंकों तक पहुँच की सहायता से महिलाओं का डिजिटल सशक्तिकरण

अमर्त्य सेन ने 'महिलाओं को विकास की सामाजिक एजेंसी' बताया।

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. How far do you agree with the view that globalisation has aggravated the challenges faced by the poor in India? (250 words) 15
आप इस विचार से कहां तक सहमत हैं कि वैश्वीकरण ने भारत में निर्धनों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों को और बढ़ा दिया है?

"वसुधैव कुटुम्बकम"
(हम हर जगह के, हम हर किसी के)
उपर्युक्त पंक्तियाँ वैश्वीकरण को परिभाषित करने का प्रयास करती है।

वैश्वीकरण ऐसी प्रक्रिया है जिसमें एक भाग विशेष में होने वाले वैचारिक, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित करता है।

भारत में निर्धनों की स्थिति

2005-06 से 2015-16 के दशक के दौरान भारत में लगभग 30 करोड़ लोग निर्धनता के कुचक्र से बाहर निकले थे। फिर भी दुनिया के सर्वाधिक गरीब भारत में पाए जाते है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वैश्वीकरण का भारत के महिलाओं पर प्रभाव

नकारात्मक प्रभाव

- सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के बढ़ते विकास ने आय की असमानता को और बढ़ाया है। (ऑक्सफैम की रिपोर्ट अनुसार भारत के 10% धनी लोगों के पास 70% संपत्ति है।)
- रोजगार के अवसरों में कमी (अनौपचारिक श्रमिकों की संख्या में कमी → भारत में 90% अनौपचारिक श्रम)
- लैंगिक असमानता एवं श्रम बल में निम्न भागीदारी। 2015-16 की तुलना में 2019-20 में 24.3% से 22.6% श्रम बल भागीदारी
- पोषण युक्त खाने तक पहुँच नहीं (ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत की 101वीं रैंक)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपर्युक्त नकारात्मक प्रभावों से वैश्वीकरण का सिर्फ एक पक्ष ही प्रदर्शित होता है।

वैश्वीकरण के कारण रोजगार के अवसरों में वृद्धि, सामाजिक भेदभाव में समाप्ति, लौकिक दृष्टिकोण में परिवर्तन इत्यादि के कारण निर्धनता में कमी देखने को मिली है।

बदलते परिदृश्य को देखते हुए भारत ने स्वच्छ ईंधन एवं विद्युत आपूर्ति को मूलभूत आवश्यकताओं में शामिल किया और मुख्य कार्यक्रम चलाए → प्रधानमंत्री उज्जवला योजना
→ प्रधानमंत्री हर घर बिजली (सौभाग्य) योजना
→ स्वच्छ भारत मिशन

सतत विकास लक्ष्यों 1 व 2 में भी गरीबी व भुखमरी का नाश प्राथमिकता पर है।